Multidisciplinary, Multi-Lingual, Peer Reviewed /Refereed Open Access Journal
Vol. 3, Issue 3, July-September, 2025
Available online : https://www.biharshodhsamaagam.com/
ISSN : 3048-6971

शिक्षा एवं स्वास्थ्य में आत्मनिर्भर भारत

डॉ0 कमलकान्त
सहायक आचार्य
शिक्षक-शिक्षा विभाग, डी.ए.वी. कॉलेज
सिविल लाइन्स, कानपुर नगर

सारांश–

शिक्षा मनुष्य के विकास का मूल साधन है। शिक्षा ही किसी समाज और राष्ट्र की प्रगति का मूल आधार होती है। शिक्षा ही वह हथियार है जिसके माध्यम से मनुष्य सही–गलत, उचित–अनुचित में भेद एवं अन्धकार से प्रकाश की ओर ले जाती है। भारतीय संस्कृति में शिक्षा को ज्ञान प्राप्ति की श्रेष्ठतम् प्रक्रिया तथा मुक्ति का साधन बताया गया है। शिक्षा प्राप्त करके मनुष्य श्रेष्ठ एवं आत्मनिर्भर बन सकता है।

महात्मा गाँधी जी ने शरीर, मन और आत्मा के विकास पर बल देते हुए कहा कि 'शिक्षा से मेरा अभिप्राय बालक और मनुष्य के शरीर मन तथा आत्मा के सर्वांगीण एवं सर्वोत्कृष्ट विकास है।' यह सब तभी सम्भव हो सकता है जब मनुष्य शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं संवेगात्मक रूप से स्वस्थ्य हो । प्राचीन काल से ही हमारे देश में स्वास्थ्य एवं शिक्षा को महत्वपूर्ण माना गया है। जिसके लिए भारतीय संस्कृति में छः दर्शनों में से एक दर्शन योग भी है। ऐसा विश्वास है कि जब से सभ्यता शुरू हुई तभी से योग किया जा रहा है जिसके माध्यम से मनुष्य का सर्वांगीण विकास सम्भव हो सकता है योग एवं प्रणायाम के द्वारा शरीर, मन और आत्मा को सरलता से नियन्त्रित किया जा सकता है। वर्तमान में योग शिक्षा मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए एक ऐसा आयाम है जो प्राचीन होकर भी आधुनिक प्रणाली के रूप में सामने आ रहा है। आधुनिक युग में मशीनीकरण, अधिक दबाब, तनाव एवं शारीरिक व मानसिक असन्तुलन पैदा करती है यदि हम योग प्रणायाम आदि क्रियाओं को अपनायें तब हमें एक श्रेष्ठ सन्तुलित एवं व्यवस्थित जीवन शैली प्राप्त हो सकती है साथ ही हमारा शारीरिक व मानसिक सन्तुलन बेहतर हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आत्मनिर्भर स्वस्थ्य भारत के सपने को पूरा करने के लिए देश में विभिन्न स्वास्थ्य सेवायें भी चलायी गयीं जिसमें आयुष्मान भारत योजना, हेल्थ एण्ड वैलेंस सेंटर्स, स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत एवं सुदृढ़ करना, स्वास्थ्य सेवाओं में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए अच्छे वातावरण का निर्माण हेल्थ मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम आदि को बढ़ावा दिया गया। आत्मनिर्भर का अर्थ स्वयं पर निर्भर होना है जिससे आपके पास जो दक्षता है उसके माध्यम से छोटे स्तर पर खुद आगे की ओर बढ़ना और बढ़े स्तर पर अपने परिवार, समाज, देश के लिए कुछ करना। यदि हम स्वयं को आत्म निर्भर बनाकर अपने परिवार का पालन–पोषण कर सकेंगे तो निश्चित तौर पर अपने राष्ट्र के विकास में अभूतपूर्व योगदान दे सकेंगे। आत्मनिर्भर भारत अभियान की सफलता राष्ट्र के नागरिकों द्वारा राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को आत्मसात् करते हुए स्वदेशी व कौशल के मार्ग पर चलकर प्राप्त की जा सकती है। ज्ञान व कौशल जीविकोपार्जन का जरिया ही नहीं है यह जीने के लिए एक प्रेरणा स्रोत्र भी है।

मुख्य बिन्दु – शिक्षा, स्वास्थ्य, आत्म निर्भर भारत

प्रस्तावना–

व्यक्ति का सबसे बड़ा गुण होता है आत्मनिर्भरता अगर कोई व्यक्ति स्वयं आत्मनिर्भर रहता है तब उसे किसी दूसरे के सहारे की आवश्यकता नहीं रहती है। भारत देश विश्व की प्राचीन संस्कृतियों में से एक रहा है यह बहुत प्रसिद्ध कहावत है कि आवश्यकता अविष्कार की जननी है इस प्रकार आत्मनिर्भर भारत का अविष्कार कोराना महामारी के समय भारतीय व्यक्तियों के साथ–साथ भारतीय अर्थव्यस्था के लिये भी बहुत अधिक आवश्यक था। आत्मनिर्भर भारत न केवल एक शब्द है बल्कि यह हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की दूर दृष्टि पर आधारित एक सराहनीय प्रयास है जो भारतीय व्यक्तियों के साथ–साथ भारतीय अर्थव्यस्था को प्रभावित करता है।

आत्मनिर्भरता का सही अर्थ है कि प्रत्येक व्यक्ति आत्मनिर्भर बने। वास्तविक रूप में किसी दूसरे पर निर्भर न होकर स्वयं कोई ऐसा काम करे जिससे हमारा जीवन–यापन हो सके एवं भारत के सन्दर्भ में इसका वास्तविक अर्थ है कि हमारा देश प्रत्येक वस्तु के उत्पादन करने में सक्षम हो और इसके लिये हमें किसी अन्य देश पर निर्भर न रहना पड़े । प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से पाँच आधार स्तम्भ बताए हैं–

1. मजबूत इकोनामी
2. इंफ्रास्ट्रक्चर
3. सिस्टम
4. डेमोग्राफी

5. डिमांड

उन्होंने राष्ट्र के नाम अपने सम्बोधन में कहा है कि हमारा लक्ष्य देश को आत्मनिर्भर, मजबूत अर्थव्यवस्था और इंफ्रास्टक्चर के साथ खड़ा करना है किसी भी अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिये इंफ्रास्टक्चर और आत्मनिर्भरता आवश्यक है।

12 मई 2020 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान के अन्तर्गत 20 लाख करोड़ का राहत पैकेज घोषित किया गया जिससे कि 130 करोड़ व्यक्ति आत्मनिर्भर हों और हम कोराना वायरस से लड़ने में सक्षम हों। यह देश की जीडीपी का 10 प्रतिशत है। इस योजना के अन्तर्गत सरकार द्वारा चुने गये सभी लाभार्थियों को आर्थिक सहायता दी जायेगी। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा 1 फरवरी 2021 को वित्तीय वर्ष बजट की घोषणा की गई जिसमें मुख्य रूप से देश की अर्थ व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिये केन्द्र सरकार द्धारा इस योजना का आरम्भ कोविड– 19 के समय किया गया। भारत सरकार एवं रिजर्व बैंक द्वारा 27.1 लाख करोड़ रूपये का निवेश किया गया जो देश की जी0डी0पी0) में 13 प्रतिशत का योगदान देता है। अन्तर्गत कई अन्य योजनायें भी शुरू की गई हैंः–

1 वन पेंशन वन राशन कार्ड
2 किसान क्रेडिट कार्ड योजना
3 इमरजेंसी वर्किंग केपिटल फंडिंग
4 प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना
5 एलटीसी कैश वाउचर स्कीम
6 पार्शियल क्रेडिट गारंटी स्कीम 2.0
7 हाउसिंग फॉर ऑल (शहरी) 18000 करोड़
8 आर एण्ड डी ग्रांट फॉर कोविड सुरक्षा इंडियन वैक्सीन
9 आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना 6000 करोड़
10 सपोर्ट फॉर एग्रीकल्चर 65000 करोड़

इस योजना के अन्तर्गत किसान, गरीब नागरिक, काश्तकार कुटीर उघोग में काम करने वाले नागरिक, पशुपालक, संगठित व असंगठित क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मिलित किया गया है। टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज से जुड़े 4.5 करोड़ लोगों को आर्थिक मदद दी जायेगी। साथ ही भारत के 10 करोड़ मजदूरों को लाभ प्राप्त होगा।

1. मेक इन इंडिया
2. निवेश को प्रेरित करना
3. सरल स्पष्ट नियम कानून
4. नये व्यवसाय को प्रेरित करना
5. वित्तीय सेवा
6. कृषि प्रणाली

आत्मनिर्भर होना हर व्यक्ति समाज और राष्ट्र का स्वप्न होता है। हमारी भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी ने भी कहा है कि एक राष्ट्र ही अपने राष्ट्र को सर्वोपरि बना सकता है क्योंकि जो राष्ट्र आत्मनिर्भर होता है वह अपने आप में सबसे अच्छा होता है जब तक भारत परतंत्र था यह अपने विकास के लिये अंग्रेजों पर निर्भर था किन्तु स्वतंत्रता के उपरान्त भारत आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हुआ और आज स्थिति यह है कि यह विश्व में कोहिनूर की भाँति चमक रहा है भारतीय प्रधानमंत्री ने कांफ्रेंस के माध्यम से सम्बोधित करते हुये आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया है भारत अगर प्रगति करता है तब वह दुनिया की प्रगति में भी अपना योगदान देगा। आत्मनिर्भर कार्यक्रम के अन्तर्गत भारत को उस बाज की तरह ऊँची उड़ान भरनी चाहिये जो कि सबसे ऊपर पहुँच कर भी हर जीव पर नजर रखता है। हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी का सपना था कि भारत स्वदेशी चीजों को अपनाये तथा देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाये आत्मनिर्भरता का अर्थ यह नहीं है कि हम चीन के सामान या किसी देश के सामान का आयात बन्द कर दें इसका वास्तविक अर्थ यह है कि हमारा स्वयं का सामान इतना सस्ता और अच्छा हो जिससे व्यक्ति विदेशी वस्तुओं का प्रयोग न करके स्वदेशी वस्तुओं को अपनाये क्योंकि कहा गया है कि जबरदस्ती कराया गया काम कुछ वर्ष लेकिन स्वेच्छा से किया गया काम उम्र भर चलता है।

निष्कर्ष

भारत वसुधैव कुटुंब की संकल्पना में विश्वास करता है अतः भारत प्रगति करता है तब इसका अर्थ यह है कि सम्पूर्ण विश्व की प्रगति में योगदान रहा है। आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में सरकार द्वारा वस्त्र, इलेक्ट्रॉनिक्स, प्लास्टिक, खिलोनें जैसे क्षेत्रों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। भारत में ही पी0पी0ई0किट की करोड़ों की इंडस्ट्री खड़ी हो चुकी है। आज भारत में एक दिन में सामन्यता 2 लाख से अधिक पी०पी०ई० किट का निर्माण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने अपनी योजनाओं के लोकार्पण के अन्तर्गत यह बताया कि देश में ऐसे उत्पाद बनाए जाएँ जो मेड इन इंडिया हो और मेड फॉर द वर्ल्ड हो। देश में मेक इन इंडिया

को रोजगार का बड़ा माध्यम बनाया जाए। रोजगार का अवसर बढ़ाने के लिए कई प्राथमिक क्षेत्रों की पहचान गई है। देश में कोराना महामारी से लॉकडाउन के कारण छोटी दुकानें, रेहड़ी–पटरी सड़क विक्रेता और फेरीवालों की अजीविका पर सबसे ज्यादा असर पड़ा । इस समस्या को समाप्त करने के लिए प्रधानमंत्री ने पीएम स्वनिधि योजना की शुरूआत की। इस योजना के अंतर्गत रेहड़ी पटरी वाले और सभी सड़क विक्रेता अपना काम पुनः शुरू कर सकते हैं क्योंकि कोरोना वायरस के कारण पूरे देश के लॉकडाउन की स्थिति का सबसे ज्यादा बुरा असर देश के सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उघोगों, श्रमिकों, मजदूरों और किसानों पर पड़ा है। इन सभी नागरिकों को लाभ पहुँचाने के लिए प्रधानमंत्री जी ने देश के सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उघोगों, श्रमिकों, मजदूरों और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी आर्थिक पैकेज की घोषणा की है। इस योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा चुने गए सभी लाभार्थियों को सबसे बड़ी सहायता राशि आर्थिक पैकेज के रूप में प्रदान की जायगी।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. मुखर्जी डॉ. के. (2008) शिक्षा मनोविज्ञान अग्रवाल पब्लिकशेन आगरा–7
2. भोगल डॉ. आर.एस. नागराजन सुश्री करूणा (2015) योग शिक्षा राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् नई दिल्ली।
3. शैरी जी.पी. (2016) स्वास्थ्य शिक्षा विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा।
4. शैरी जी. पी रू स्वास्थ्य शिक्षा विनोद पुस्तक मंदिर आगरा।
5. www-indianfo.com
6. www-wikipidia.com
7. www-research.com